will have an adverse effect on small news-papers; and

(b) if so, the relief proposed to be given to the small news-papers; in this regard?

The Minister of Information and Broadcasting (Shri K. K. Shah): (a) and (b). No, Sir. The Government do not visualise any adverse effect on small newspapers as a result of introduction of Commercial Broadcasting over All India Radio. Their interests will, however, be kept in view constantly.

पाकिस्तान द्वारा भारतीय वायु सीमा का उल्लंघन

*128. **श्री ओंकार लाल बेरवा :**
श्री हुकम चन्द कछवाय:
श्री जगन्नाथ राव जोशी :
श्री स्वेल:
श्री डी० चं० शर्मा:
श्री मीठा लाल:
श्री रामचन्द्र उलाका:
श्री बुलेश्वर मीना:
श्री हीरजी भाई :
श्री स० प्रधानी:
श्री य० श० प्रसाद:

क्या रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वर्ष 1966–67 के दौरान तथा आज तक पाकिस्तानी विमानों ने भारतीय वायु सीमा का कितनी बार उल्लंघन किया है; और

(ख) ऐसे उल्लंघनों को रोकने के लिये सरकार ने क्या कार्यवाही की है ?

प्रतिरक्षा मंत्री (श्री स्वर्ण सिंह) : (क) सरकार को अब तक मिली सूचना के अनुसार 1966–67 के अन्तर्गत और आज तक पाकिस्तानी विमानों ने भारतीय वायु सीमा का 42 बार उल्लंघन किया।

(ख) जम्मू और काश्मीर को छोड़ कर अन्य क्षेत्रों में वायु सीमा उल्लंघनों के सम्बन्ध में पाकिस्तान सरकार को विरोध पत्र भेजे गए। जम्मू और काश्मीर क्षेत्र में वायु सीमा उल्लंघनों के सम्बन्ध में संयुक्त राष्ट्र पर्यवेक्षकों के पास शिकायत दर्ज कराई गई। भारतीय वायु सेना के एक विमान ने 2 फरवरी 1967 को पंजाब मे पाकिस्तान के एक विमान को मार गिराया।

Manufacture of Atom Bomb

*129. **Dr. Karni Singh:**
Shrimati Nirlep Kaur:
Shri D. C. Sharma:
Shri Kanwar Lal Gupta:
Shri D. N. Patodia:
Shri Samar Guha:
Shri R. Barua:
Shri C. C. Desai:
Shri A. B. Vajpayee:
Shri Vishwa Nath Pandey:

Will the **Prime Minister** be pleased to state:

(a) whether Government consider the advisability of making the Atom bomb as a deterrent as India is now out to seek nuclear protection and guarantees from the nuclear powers; and

(b) if not, the reasons therefor?

The Prime Minister and Minister of Atomic Energy (Shrimati Indira Gandhi): (a) and (b). We have steadfastly adhered to the policy of developing nuclear energy for peaceful purposes only. The effect of this policy on our security is naturally kept under constant review. The problem of ensuring security of non-nuclear-weapon powers, which are also non-aligned, and more especially of our own country, is always under consideration of the Government. The Government of India have been exchanging views on this subject both with the principal nuclear powers and with some of the non-aligned countries.